वैश्विक खाद्य कीमतें स्थिर

उत्पादन अनुमान में कमी से खाद्यान्न कीमतों में स्थिरता

दिलीप कुमार झा
मुंबई, 6 नवंबर

चीनी और खाद्य तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से वैश्विक खाद्य कीमतें अक्टूबर में स्थिर हुई हैं, जबकि सितंबर में यह चार वर्ष के निचले स्तर पर आ गई थीं। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के आंकड़ों से पता चलता है कि इसका मासिक खाद्य कीमत सूचकांक लगातार सातवें महीने गिरकर 192.4 पर आ गया। हालांकि सितंबर की तुलना में गिरावट महज 0.2 फीसदी रही है।

गेहूं और मक्के के रिकॉर्ड उत्पादन के अनुमान से खाद्यान्न कीमत में लगातार गिरावट आ रही है। लेकिन चीनी और सब्जियों की कीमतों में अहम बढ़ोतरी हुई है। ब्राजील के कई हिस्सों में सूखे का गन्ने की फसल पर असर पड़ने के आसार हैं, जिससे चीनी का कीमत सूचकांक 4.2 अंक बढ़कर 237.6 अंक पर पहुंच गया। इस महीने बढ़ोतरी के बावजूद चीनी के वैश्विक दाम अक्टूबर 2013 के स्तर से 10 फीसदी कम हैं।

वनस्पति तेल का उप-सूचकांक मार्च के बाद पहली बार बढ़कर अक्टूबर में 163.7 अंक पर रहा है। यह सितंबर से 1 फीसदी या 1.6 अंक ऊपर है। इंडोनेशिया और मलेशिया में पाम तेल का उत्पादन कम होने और वैश्विक आयात मांग में सुधार से वनस्पति तेल सूचकांक चढ़ा है। उत्तरी अमेरिका में अच्छे उत्पादन से सोया तेल की कीमतें नरम पड़ी हैं, जबकि काला सागर क्षेत्र में उम्मीद से कम उत्पादन के कारण सूरजमुखी के तेल की कीमतें मजबूत हुई हैं। तेल सूचकांक अक्टूबर, 2013 की तुलना में 12.9 फीसदी नीचे है।

हालांकि वनस्पति तेल और चीनी की कीमतों में बढ़ोतरी की भरपाई डेयरी और मांस की कीमतों में गिरावट से हो गई है। एफएओ ने कहा है कि डेयरी उत्पादों की कीमतों में 1.9 फीसदी गिरावट आई है, क्योंकि यूरोप में उत्पादन बढ़ने के कारण दूध पाउडर की कीमतें घटी हैं। गौरतलब है कि रूस ने यूरोप से चीज के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है। डेयरी उत्पादों का उप-सूचकांक गिरकर 184.3 अंक पर रहा है, जो सितंबर से 3.5 अंक और अक्टूबर 2013 की तुलना में 66.8 अंक या 26.6 फीसदी कम है। इसी तरह मांस की कीमतों में भी भारी गिरावट आई है, क्योंकि कई देशों में सूअर मांस का उत्पादन बहाल हो गया है और ऑस्ट्रेलिया में पशुओं की तादाद बढ़ने से मांस की कीमतें घटी हैं। एफएओ का मांस कीमत सूचकांक सितंबर की तुलना में 1.1 फीसदी या 2.3 फीसदी गिरकर 208.9 अंक पर रहा है। इसका यह स्तर अब पिछले साल की तुलना में 10 फीसदी ऊपर है।

चीनी का कीमत सूचकांक 4.2 अंक बढ़कर 237.6 अंक पर पहुंच गया

इस बीच खाद्यान्न कीमत सूचकांक अक्टूबर में 178.4 अंक पर स्थिर रहा है, क्योंकि अमेरिका में मक्के की कटाई में देरी और ऑस्ट्रेलिया में गेहूं के उत्पादन को लेकर कम होती संभावनाओं से कीमतें मजबूत हुई हैं। हालांकि चावल की कीमतें गिरी हैं, क्योंकि नई फसल बाजार में आ गई है। खाद्यान्न उप-सूचकांक अब पिछले साल के इस महीने की तुलना में 9.3 फीसदी या 18.2 अंक नीचे है। कुल मिलाकर खाद्य कीमत सूचकांक अगस्त 2010 के बाद सबसे निचले स्तर पर है। यह बदलाव इसलिए आया है, क्योंकि एफएओ ने इस सीजन में गेहूं उत्पादन का अनुमान बढ़ा दिया है।

विजनेस स्टैण्डर्ड
7/11/14